मिशन शिक्षण संवाद

प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य एवं सम्पूर्ण कार्यपत्रक संग्रह

कक्षा - 5

विषय - हिन्दी (कलरव)

प्रकरण - पाठ -10 -

चेतक की वीरता

कार्यपत्रक निर्माण-

प्रतिभा यादव (स॰अ॰)

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

ब्लॉक - पुवॉरका,

जिला - सहारनपुर

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-10- चेतक की वीरता(कार्यपत्रक 1)

रण-बीच चौकड़ी भर-भरकर,
चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े से,
पड़ गया हवा का पाला था।

गिरता न कभी चेतक तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।

☆ अनुवाद/व्याख्या-

कवि बताते हैं कि राणा प्रताप का घोड़ा जिसका नाम 'चेतक' था वह युद्ध के समय रण के बीचो-बीच दौड़ते हुए अनोखा लग रहा था और वह हवा के समान तेज़ दौड़ रहा था। राणा प्रताप कभी भी चेतक को अपने कोड़े से नही मारते थे, चेतक शत्रुओं का संहार(मारते) हुए हवा के समान दौड़ता था।

● शब्दार्थ-

1) रण = युद्ध 2) चौकड़ी = चौपायों की दौड़

3) अरि-मस्तक = शत्रु का सिर 4) निराला = अनोखा

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-10- चेतक की वीरता(कार्यपत्रक 2)

जो तनिक हवा से बाग हिली,
लेकर सवार उड़ जाता था।
राणा की पुतली फिरी नहीं,
तब तक चेतक मुड़ जाता था।

कौशल दिखलाया चालों में,
उड़ गया भयानक भालों में।
निर्भीक गया वह ढालों में,
सरपट दौड़ा करवालों में।

☆ अनुवाद/व्याख्या-

कवि बताते हैं कि राणा प्रताप का घोड़ा 'चेतक' इतना तेज़ था कि थोड़ी सी बाग हिलाने पर ही बहुत तेज़ दौड़ने लगता था और वह राणा प्रताप के एक ही इशारे मे जहाँ वे चाहते थे वही चलने लगता था। उसकी चाल मे इतनी निपुणता थी कि वह भयानक युद्ध में भालों के बीच, बिना डरे हुए ढालों में और तलवारों के बीच मे भी बहुत तेज़ दौड़ता था।

● शब्दार्थ-

5) तनिक = थोड़ा सा या थोड़ी सी 6) कौशल = निपुणता

7) निर्भीक = निडर 8) करवाल = तलवार

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-10- चेतक की वीरता(कार्यपत्रक 3)

वह यहीं रहा अब यहाँ नहीं,
वह वहीं रहा, है वहाँ नहीं।
थी जगह न कोई जहाँ नहीं,
किस अरि-मस्तक पर कहाँ नहीं।

बढ़ते नद-सा वह लहर गया,
वह गया, गया फिर ठहर गया।
विकराल वज्रमय बादल-सा,
अरि की सेना पर घहर गया।

☆ अनुवाद/व्याख्या-

कवि बताते हैं कि राणा प्रताप का घोड़ा 'चेतक' युद्ध के मैदान मे इतनी तेज़ दौड़ रहा था कि ऐसा लगता था कि अभी तो यहीं था और एक पल मे वहाँ से ओझल हो जाता था, युद्ध के मैदान मे चारों तरफ दौड़-दौड़ कर शत्रुओं का संहार कर रहा था।

चेतक की तेज़ चाल एक बड़ी नदी की लहरों के समान थी, वह एक पल मे दौड़ता और फिर ठहर जाता, चेतक दुश्मनों की सेना पर भयंकर और कठोर बादलों की तरह टूट पड़ा।

☆ शब्दार्थ:-

9) नद = बड़ी नदी 10) विकराल = भयंकर 11) वज्रमय = बहुत कठोर

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका,जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-10- चेतक की वीरता(कार्यपत्रक 4)

भाला गिर गया, गिरा निषंग,
हय टापों से खन गया अंग।
बैरी समाज रह गया दंग,
घोड़े का ऐसा देख रंग।

उपरोक्त कविता 'चेतक की वीरता' के कवि का नाम 'श्री श्यामनारायण पांडेय' है।
वीर रस के सुविख्यात कवि 'श्यामनारायण पांडेय का जन्म (सन् 1907-1991) जनपद-मऊ,उत्तर प्रदेश में हुआ था। श्यामनारायण पांडेय जी ने चार उत्कृष्ट महाकाव्य रचे, जिनमें 'हल्दी घाटी' और 'जौहर' विशेष चर्चित हुए।

☆ अनुवाद/व्याख्या-

कवि बताते हैं कि राणा प्रताप का घोड़ा 'चेतक' ने युद्ध के मैदान मे ऐसे कौशल दिखाये कि दुश्मनों के भाले और तरकश गिर पड़े, घोड़े के पैरों के वार से दुश्मनों के शरीर चोटिल और लहू-लुहान हो गये, दुश्मन समाज घोड़े का ऐसा कौशल देखकर आश्चर्यचकित हो गया।

☆ शब्दार्थ:-

12) निषंग = तरकश 13) हय = घोड़ा 14) बैरी = दुश्मन 15) घहर = सहसा आ पहुँचना

कार्यपत्रक निर्माण- प्रतिभा यादव (स॰अ॰),प्राथमिक विद्यालय चौरादेव

प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
ब्लॉक-पुवॉरका, जिला-सहारनपुर

कक्षा-5 प्रेरणा लक्ष्य बोध कार्य विषय- हिन्दी

प्रकरण- पाठ-10- चेतक की वीरता(कार्यपत्रक 5)

☆ कविता के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

क) महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम ______ था।

ख) घोड़े की बहादुरी से ______ दंग रह गया।

ग) चेतक ______ का इशारा पाते ही मुड़ जाता था।

घ) युद्ध क्षेत्र में ______ भर-भर कर चेतक निराला बन गया था।

☆ नीचे लिखे शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए-

1) सरपट/ दौड़ता/ घोड़ा/ है

उ॰- घोड़ा सरपट दौड़ता है।

2) पाला/ से/ का/ हवा/ चेतक/ था/ पड़ा

उ॰- चेतक का हवा से पाला पड़ गया था।

3) बहादुर/ था/ बहुत/ घोड़ा/ चेतक

उ॰- चेतक बहुत बहादुर घोड़ा था।

4) जाता था/ उड़/ महाराणा प्रताप को/ चेतक/ लेकर

उ॰- चेतक महाराणा प्रताप को लेकर उड़ जाता था।

☆ स्त्रीलिंग शब्द लिखिए-

1) घोड़ा = घोड़ी 2) ठहरा = ठहरी 3) दौड़ा = दौड़ी 4) गिरा = गिरी